



Jckt



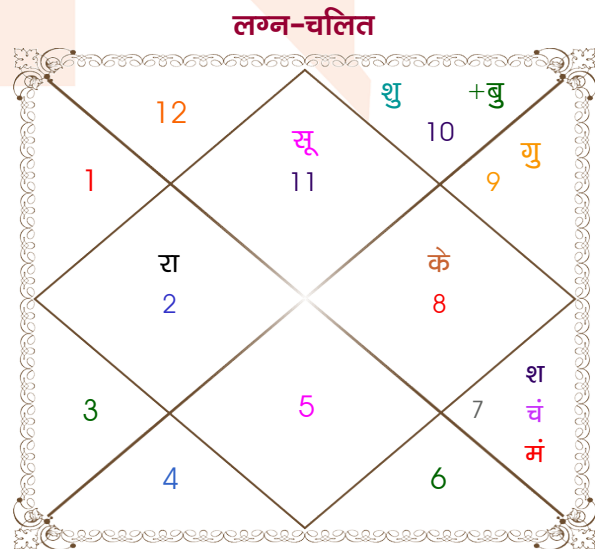
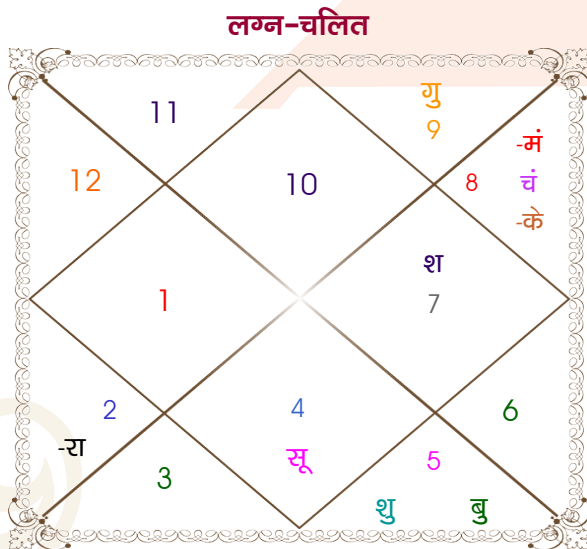
Surabhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121814002

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 06/08/1984 : _____ जन्म तिथि _____ : 20-21/02/1984
 सोमवार : _____ दिन _____ : सोम-मंगलवार
 घंटे 18:30:00 : _____ जन्म समय _____ : 06:45:00 घंटे
 घटी 32:00:26 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 59:57:41 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Konch : _____ स्थान _____ : Auraiya
 25:59:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 26:27:00 उत्तर
 79:09:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 79:13:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:13:24 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:13:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:41:49 : _____ सूर्योदय _____ : 06:46:06
 18:56:56 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:08:09
 23:38:17 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:37:53

विंशोत्तरी बुध 11वर्ष 5मा 20दि सूर्य 27/01/2023 26/01/2029	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 1वर्ष 2मा 28दि शनि 21/05/2019 20/05/2038	
सूर्य	16/05/2023	14:02:35	मक	लग्न	कुंभ 06:40:54	शनि	23/05/2022
चन्द्र	15/11/2023	20:35:30	कर्क	सूर्य	कुभ 07:57:49	बुध	30/01/2025
मंगल	22/03/2024	21:00:06	वृश्चि	चंद्र	तुला 04:17:52	केतु	11/03/2026
राहु	13/02/2025	00:44:09	वृश्चि	मंगल	तुला 25:04:18	शुक्र	11/05/2029
गुरु	03/12/2025	16:57:00	सिंह	बुध	मक 24:59:19	सूर्य	23/04/2030
शनि	14/11/2026	10:20:13	धनु व	गुरु	धनु 12:43:19	चन्द्र	22/11/2031
बुध	21/09/2027	04:47:24	सिंह	शुक्र	मक 08:38:49	मंगल	31/12/2032
केतु	27/01/2028	16:32:23	तुला	शनि	तुला 22:44:31	राहु	07/11/2035
शुक्र	26/01/2029	10:30:13	वृष व	राहु व	वृष 18:31:57	गुरु	20/05/2038
		10:30:13	वृश्चि व	केतु व	वृश्चि 18:31:57		
		15:57:08	वृश्चि व	हर्ष	वृश्चि 19:37:39		
		05:19:13	धनु व	नेप	धनु 07:19:08		
		05:54:03	तुला	प्लूटो व	तुला 08:25:15		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Jct का वर्ग मृग है तथा Surabhi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jct और Surabhi का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Jct मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Surabhi मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Jct तथा Surabhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।